तर्ज--हम तुम्हे चाहते है ऐसे.....
राजश्यामा जी मेरे पिया है,इसमे शक ही नही
वो खुदाओं में सबसे जुदा है
1--हमने उम्मीद झूठी लगाई
भूल बैठे थे मूल सगाई
निकाला है जिस कदर जान सकता नही ये जहां है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
2--देखी माया नही उनको देखा
रहे शक में नही हमने परखा
देखो उनकी मेहेर ,फिर भी रहते वो हमपे फिदा है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
3--हादी ने कैसे नजरो लिया ह्रै
कैसी थी क्या से क्या कर दिया है
थी न काबिल मगर जान के अपनी निसबत दिया है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
4--जाम मस्ती के साकी पिलाये
अर्श के सुख फर्श पर दिखाये
कुल के मालिक है जो वह मेरे महबूब ही मेहरबां है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....

Nijanand App